हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आन्दोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email Id: prakharpurvanchal@gmail.com

वाराणसी, चन्दौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, इलाहाबाद तथा गोरखपुर से प्रसारित

वर्ष ५ अंक २१० पृष्ठ ४, मूल्य ३.००, आमंत्रण मूल्य २.०० ०४ जनवरी २०२१ दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

कोरोना से जंग में भारत को बड़ी कामयाबी, डब्ल्यूएचओ ने भी भारत का माना लोहा

देश में एक साथ दो–दो वैक्सीन को मिली मंजूरी

प्रखर डेस्क। वैश्विक महामारी कोरोना की जंग में भारत को बड़ी कामयाबी मिली है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने देशवासियों को बहुत बड़ी खुशखबरी दी है। देश में एकसाथ दो–दो वैक्सीन को मंजूरी मिल गई है। इस दो वैक्सीन में एक देशी वैक्सीन भी शामिल है जो देश के लिए गर्व की बात है। डीसीजीआई ने कोवैक्सीन और कोविशील्ड के इस्तेमाल को मंजूरी दे दी है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने कहा कि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और भारत बायोटेक की कोरोना वैक्सीन को आपातकालीन स्थिति में रिस्ट्रिक्टेड यूज की अनुमति दे दी है। इसके साथ ही DCGI ने मैसर्स केडिला हेल्थकेयर को भारत में तीसरे चरण के क्लीनिकल ट्रायल की भी अनुमति दी है। सीरम इंस्टीट्यूट की वैक्सीन कोविशील्ड और भारत बायोटेक की वैक्सीन कोवैक्सीन को आपातकाल इस्तेमाल की मंजूरी मिलने के बाद अब ये वैक्सीन देश में आम लोगों को लगाए जा सकेंगे। DCGI के निदेशक ने बताया कि दोनों ही वैक्सीन पूरी तरह से सुरक्षित हैं और इसका इस्तेमाल इमरजेंसी की स्थिति में किया जा सकेगा। DCGI के मुताबिक दोनों ही वैक्सीन की दो दो डोज इंजेक्शन के रूप में दी जाएगी। आपको बता दें कि ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया जब किसी दवा, ड्रग, वैक्सीन को अंतिम अनुमति देता है, तभी इन दवाओं, वैक्सीन का सार्वजनिक इस्तेमाल हो सकता है। ऐसी इजाजत देने से पहले क्ळ्प् वैक्सीन पर किए गए परीक्षण के आंकड़ों का बारिकी से अध्ययन करता है। जब DCGI इस रिपोर्ट से संतुष्ट होता है तभी वह वैक्सीन के सार्वजनिक इस्तेमाल की इजाजत देता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने भारत में कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड और कोवैक्सीन को डीसीजीआई से मंजूरी का स्वागत किया है। डब्ल्यूएचओ ने बयान जारी कर कहा है कि भारत की ओर से आज लिया गया यह निर्णय क्षेत्र में कोरोना वायरस की महामारी के खिलाफ लड़ाई को तेज और मजबूत करने में मदद करेगा। WHO साउथ ईस्ट रीजन के क्षेत्रीय निदेशक डॉक्टर पूनम खेत्रपाल सिंह ने कहा है कि कोरोना वायरस के प्रभाव को कम करने के लिए पब्लिक हेल्थ के अन्य उपायों के साथ ही सामुदायिक भागीदारी और प्राथमिकता के आधार पर आबादी पर वैक्सीन का उपयोग महत्वपूर्ण होगा। डीसीजीआई द्वारा देश में कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड और कोवैक्सीन को इमरजेंसी इस्तेमाल की अनुमति मिलने पर प्रधानमंत्री मोदी ने भी बधाई दी है। पीएम मोदी ने देशवासियों और वैक्सीन विकसित करने वाले वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा है कि इससे कोरोना मुक्त और स्वस्थ भारत के निर्माण के अभियान को गति मिलेगी। डीसीजीआई का कहना है कि कोविशील्ड और कोवैक्सीन पूरी तरह से सुरक्षित हैं। टीकाकरण के दौरान इन वैक्सीन की 2–2 डोज दी जाएंगी। उन्होंने इसके साथ ही जायडस कैडिला की वैक्सीन जाइकोव–डी को तीसरे चरण के क्लिनिकल ट्रायल के लिए मंजूरी देने की जानकारी दी। केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की कोविड–19 संबंधी विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) की अनुशंसा के आधार पर भारत के औषध महानियंत्रक (DCGI) ने यह मंजूरी प्रदान की है। डॉ. वीजी सोमानी ने कहा कि, 'सीडीएससीओ ने पर्याप्त अध्ययन के बाद विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को स्वीकार करने का फैसला किया है और तदनुसार मैसर्स सीरम और मैसर्स भारत बायोटेक के टीकों के आपात स्थिति में सीमित उपयोग के लिए स्वीकृति प्रदान की जा रही है।

श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार के दौरान निर्माणाधीन श्मशान भवन का लिंटर गिरा 22 की मौत, दर्जनों घायल

प्रखर गाजियाबाद। गाजियाबाद के मुरादनगर इलाके में श्मशान घाट का लिंटर गिरने से 22 लोगों की मौत हो गई है। वही कई लोग उसके नीचे दब गए जिसके बाद जख्मी हो गए। गाजियाबाद पुलिस और रेस्क्यू ऑपरेशन की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई है। दरअसल मुरादनगर के श्मशान में लोग मृत व्यक्ति का अंतिम संस्कार करने आए थे लेकिन रविवार सुबह से दिल्ली एनसीआर में हो रही बारिश के चलते लोग छत के नीचे छिप गए तभी अचानक श्मशान घाट का लेंटर भरभराकर गिर गया। घटना के बाद कई लोग मलबे में दब गए जिनको पुलिस और एनडीआरएफ की टीम की मदद से बाहर निकाला गया। हादसे के बाद पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए क्रेन भी बुलवाया जिससे मलबे में दबे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके। हादसे में 40 से अधिक लोग दब गए। चीखपुकार के बीच कुछ लोगों ने बड़ी मुश्किल से भागकर अपनी जान बचाई। तुरंत घटना की जानकारी पुलिस और प्रशासन को दी गई। मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू टीम ने लोगों को निकालना शुरू किया और इलाज के लिए गाजियाबाद जिला अस्पातल में भर्ती कराया गया। शुरुआत में बारिश के कारण बचाव कार्य में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बता दें कि गाजियाबाद में सुबह से ही रुक–रुक कर बारिश हो रही है। राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के आश्रितों को दो–दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं और घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। साथ ही सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे लोगों की सभी संभव मदद करें। सीएम योगी ने अधिकारियों से घटना पर रिपोर्ट भी मंगाई है।

अपनी हार और बीजेपी के राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला

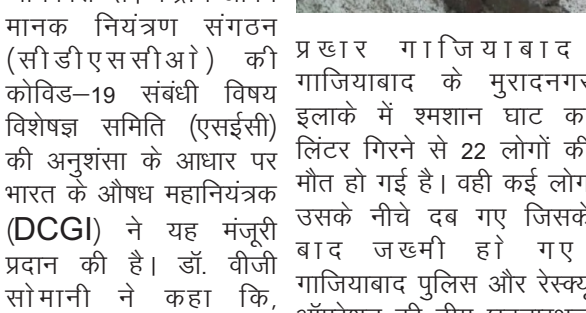

प्रखर नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने किसानों को आंदोलन को लेकर केंद्र सरकार पर हमला किया है। राहुल गांधी ने ने आंदोलनकारी किसानों की तुलना सत्याग्रहियों से करते हुए कहा कि किसान सरकार से अपना हक ले कर रहेंगे। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, देश चंपारण जैसी त्रासदी का सामना कर रहा है, तब अंग्रेज कंपनी बहादुर थे और अब पीएम के दोस्त कंपनी बहादुर हैं। उन्होंने अपने ट्वीट में आगे लिखा कि आंदोलनकारी किसान श्सत्याग्रहीश हैं और वे अपना हक ले कर रहेंगे। सत्याग्रह सरकार की नीतियों के खिलाफ राजनीतिक विरोध का एक तरीका है। ब्रिटिश शासन के खिलाफ महात्मा गांधी ने सत्याग्रह का तरीका अपनाया था। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान 1917 में महात्मा गांधी ने बिहार के चंपारण में सत्याग्रह किया था, जब उन्होंने किसानों के मजबूरन इंडिगो खेती करने के खिलाफ आंदोलन किया था। आपको बता दें कि कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन का आज 39वां दिन है। इस विवाद को सुलझाने के लिए कल केंद्र सरकार और किसान प्रतिनिधियों के बीच आठवें दौर की बैठक होगी। उम्मीद जताई जा रही है कि कल की बैठक में दोनों पक्षों के बीच कोई निर्णायक फैसला हो सकता है। गौरतलब है कि सरकार और किसानों के बीच अबतक सात दौर की बैठक हो चुकी है लेकिन अभी तक कोई नतीजा नहीं निकल पाया है। किसान जहां अभी भी तीनों कानूनों को वापस लिए जाने की मांग पर अड़े हैं, वहीं सरकार भी कानूनों को वापस लेने के लिए तैयार नहीं है। वहीं इस बैठक से पहले किसानों ने सरकार के चेतावनी भी दी है। प्रदर्शनकारी किसानों का कहना है कि अगर इस बैठक में कोई फैसला नहीं होता है तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। किसानों ने इस वार्ता से पहले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गणतंत्र दिवस पर ट्रैक्टर रैली आयोजित करने की धमकी दी है। गौरतलब है कि सरकार और किसानों के बीच 4 में से दो मुद्दों पर सहमति बन गई है, लेकिन दो अभी भी बाकी है।

उभार पर विचार करें ममता– ओवैसी

प्रखर कोलकाता/एजेंसी। एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी को उनके संगठन पर आरोप लगाने के बजाए खुद आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और देखना चाहिए कि किस तरह से बीजेपी ने राज्य में 18 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की. ओवैसी रविवार को मौलाना अब्बासुद्दीन सिद्दिकी से मिलने कोलकाता पहुंचे थे. उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के इन दावों को खारिज कर दिया कि उनकी पार्टी ''बीजेपी की बी–टीम'' है और भगवा दल के विरोधी वोट में सेंध लगाएगी. ओवैसी ने कहा, ''हम राजनीतिक दल हैं, हम अपनी उपस्थिति साबित करेंगे और पश्चिम बंगाल में चुनाव लड़ेंगे। ओवैसी ने कहा, ''मैं भारत की सियासत का मैं लैला हूं और मेरे मजनूं बहुत हैं, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता.'' एक समाचार चौनल से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने अभी यह तय नहीं किया है कि यह अकेले चुनाव लड़ेगी या किसी अन्य पार्टी के साथ गठबंधन करेगी. एआईएमआईएम प्रमुख ने दावा किया कि फुरफुराशरीफ के 'पीरजादा' सिद्दिकी का उन्हें समर्थन हासिल है. बंगाल के हुगली जिले में फुरफुरा शरीफ विख्यात दरगाह है. बिहार विधानसभा चुनावों में बीजेपी वाले एनडीए की जीत में एआईएमआईएम द्वारा सहयोग करने के तृणमूल के दावे को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्य में उनकी पार्टी ने 20 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसमें से उसने पांच सीटों पर जीत हासिल की और महागठबंधन ने नौ सीटों पर जीत हासिल की, जबकि राजग ने छह सीटें जीतीं. ओवैसी ने कहा, ''तृणमूल कांग्रेस को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए कि लोकसभा चुनावों के दौरान बीजेपी के पक्ष में क्या गया. पार्टी को विश्लेषण करना चाहिए कि उसके सदस्य दल क्यों छोड़ रहे हैं।

देवरिया मे उपमुख्यमंत्री करेंगे विभिन्न विभागीय परियोजनाओं का लोकार्पण

प्रखर पूर्वांचल देवरिया न्यूज। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य चार जनवरी को देवरिया आएंगे। वह बंगरा बाजार में चार जनवरी को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भागवत भगत खंजड़ी वाले बाबा के जन्म दिवस पर किसान मेला में शिरकत करेंगे। जिला प्रशासन ने इसको देखते हुए तैयारियां शुरू कर दी है। शनिवार को सांसद रविद्र कुशवाहा, डीएम अमित किशोर, एसपी डा.श्रीपति मिश्र व सीडीओ शिव शरणप्पा जीएन ने जायजा लिया। अधिकारियों ने मातहतों को कमियों को दूर करने का निर्देश दिया। उप मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए सुरक्षा इंतजाम पर भी चर्चा की। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य हेलीकाप्टर से सुबह 11.50 बजे गोरखपुर एयरपोर्ट पर उतरेंगे। कार से वह देवरिया आएंगे, जहां विधायक डा. सत्यप्रकाश मणि त्रिपाठी की अगुवाई में स्वागत किया जाएगा। दोपहर करीब एक बजे बंगरा बाजार पहुंचेंगे। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भागवत भगत के जन्म दिवस पर आयोजित किसान दिवस समारोह में शामिल होंगे। इसके बाद पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। जनपद स्तरीय विभिन्न विभागीय परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे और विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। लोक निर्माण विभाग व सेतु निगम की निर्माणाधीन परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। दोपहर करीब तीन बजे वह कार से गोरखपुर के लिए रवाना हो जाएंगे।

नववर्ष के दिन पूरी दुनिया में पैदा हुए 3,71,504 बच्चे, अकेले भारत में 60000

प्रखर डेस्क। एक तरफ देश में जनसंख्या नियंत्रण की बात हो रही है तो वहीं दूसरी तरफ नए साल के मौके पर पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा बच्चे भारत में पैदा हुए हैं. भारत में नए साल के मौके पर पूरी दुनिया में सबसे अधिक 60,000 बच्चों ने जन्म लिया. यह किसी भी अन्य देश की तुलना में बहुत ज्यादा है. हालांकि, जन्म की संख्या 2020 की तुलना में 7,390 कम है. यूनिसेफ के अनुमानों के अनुसार, भारत में इस साल 1 जनवरी को चीन में जन्मे 35615 के मुकाबले कई गुणा ज्यादा बच्चों ने जन्म लिया. बच्चों के जन्म के मामले में चीन इस बार दूसरे पायदान पर रहा. यूनिसेफ का अनुमान है कि, 1 जनवरी 2021 को दुनिया भर में 3,71,504 से अधिक शिशुओं ने जन्म लिया. इनमें से 52 प्रतिशत जन्म सिर्फ 10 देशों में हुए हैं. षविश्व स्तर पर, इनमें से आधे से अधिक जन्म 10 देशों में होने का अनुमान ह। भारत में 59,995, चीन में 35,615, नाइजीरिया में 21,439, पाकिस्तान में 14,161, इंडोनेशिया में 12,336, इथियोपिया में 12,006, अमेरिका में 10,312, मिस्र में 9,455, बांग्लादेश में (9,236) और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में 8,640 बच्चों का जन्म हुआ. रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2021 में अनुमानित 140 मिलियन बच्चे पैदा होंगे और उनकी औसत उम्र 84 साल होने की उम्मीद है. यूनिसेफ के कार्यकारी निदेशक हेनरीटा फोर ने कहा, ष्आज जन्म लेने वाले बच्चे एक साल पहले की तुलना में दुनिया में बहुत दूर तक जाएंगे और एक नया साल फिर से नया अवसर लाता है।

दरोगा जी चला रहे थे चोरी हुई कार, खुला राज

प्रखर एजेंसी। कानपुर में एक दरोगा जी दो साल पहले चोरी हुई कार को कुछ समय से चला रहे थे। बतादे कि इस बात का खुलासा तब हुआ जब हर्ष नगर के सर्विस सेंटर के कस्टमर केयर से कार के असली मालिक के पास कॉल कर सर्विसिंग के बारे में पूछा गया। जांच में पता चला कि कार बिठूर थाने के एसओ ने सर्विस के लिए भेजी थी। वहीं दूसरी ओर पुलिस लावारिस कार को थाने में सीज करने की बात कह रही है। बर्रा निवासी ओमेंद्र सोनी विज्ञापन एजेंसी चलाते हैं। ओमेंद्र की 31 दिसंबर 2018 को इलाके के एक धुलाई सेंटर में धुलने के लिए गई कार चोरी हो गई थी। जिस पर उन्होंने बर्रा थाने में कार चोरी का केस दर्ज कराया था। लेकिन पुलिस चोरी की कार को बरामद नहीं कर पाई थी । इसी बीच हर्ष नगर की एक कंपनी के सर्विस सेंटर से ओमेंद्र के पास सर्विस रिस्पांस को लेकर कॉल आई। जिस पर उन्होंने सर्विस सेंटर को अपनी कार चोरी होने की बात कही। मामले की जांच के लिए ओमेंद्र खुद सर्विस सेंटर पहुंचे। वहां उन्हें पता चला कि 15 दिसंबर को बिठूर एसओ ने कार को सर्विस कराने के लिए सेंटर भेजा था। 22 तारीख को सर्विस कर कार बिठूर पुलिस को दे दी गई थी। जिसके बाद उन्होंने बिठूर पुलिस से संपर्क किया। वही बिठूर एसओ ने बताया कि यह कार बिठूर थाना क्षेत्र में लावारिस मिली थी। जिस को सीज किया गया था। कार में नंबर न होने के चलते कार मालिक का पता कराया जा रहा था। थाने में एक कार की टक्कर के लगते यह कार क्षतिग्रस्त हो गई थी। जिसको ठीक कराने के लिए सर्विस सेंटर भिजवाया गया था।

परिपक्वता का परिचय दें किसान संगठन– डॉ. सुरजीत सिंह गांधी

एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद नए कृषि कानूनों पर कुछ किसान संगठनों एवं केंद्र सरकार के बीच गतिरोध बना हुआ है। एक तरफ सरकार किसानों को निरंतर यह समझाने का प्रयास कर रही है कि तीनों कृषि कानून उनके हित में हैं तो दूसरी तरफ किसान इस जिद पर अड़े हैं कि इन तीनों कृषि कानूनों को वापस लिया जाए। पिछले कई दौर की असफल वार्ताओं के बाद पूरे देश की नजरें आज होने वाली वार्ता पर इस उम्मीद से टिकी हैं कि इस समस्या का हल अवश्य ही निकलना चाहिए। अन्यथा इसका दुष्प्रभाव पूरे देश पर पड़ सकता है। महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि इस समस्या का हल क्या हो? दोनों पक्षों को वार्ता प्रारंभ करने से पहले ही यह समझना होगा कि समाधान के लिए दोनों को कुछ कदम पीछे हटाने ही पड़ेंगे। सरकार को दरियादिली दिखाते हुए किसानों के मन में इन कृषि कानूनों के प्रति उपजे अविश्वास को खत्म करने की पहल करते हुए यह विश्वास दिलाना होगा कि सरकार उनके लिए हमेशा उनके साथ खड़ी है। सरकार अपना एक कदम और पीछे हटाते हुए इन कानूनों में संशोधनों के साथ एमएसपी के लिए अधिसूचना भी जारी कर सकती है। अब किसान नेताओं को भी सहमति के एक बिंदु पर खुद को टिकाना होगा तभी बातचीत का समाधान निकल सकेगा। शदिल्ली चलोच का नारा देकर भावनात्मक आधार पर राजधानी के बाहर ऐसे लोगों की भीड़ एकत्र करने से समस्या का समाधान नहीं निकलेगा जिन्हें कृषि कानूनों के दूरगामी प्रभावों की कोई जानकारी नहीं है। किसी के बहकावे में आए बिना किसानों को आज यह समझना ही होगा कि कृषि में बदलाव समय की मांग है। हर बड़े बदलाव को कसौटी पर परखे बिना उसे ठुकरा देना समझदारी नहीं है। वह भी तब जब यह बदलाव देश की लगभग 60 प्रतिशत से अधिक आबादी से जुड़ा हुआ है जो प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से कृषि से जुड़ी हुई है। किसान आंदोलन के अगुआ बने पंजाब एवं हरियाणा के किसानों को छोड़ दें तो पूरे देश के किसानों की स्थिति न सिर्फ खराब, बल्कि दयनीय है। भारतीय कृषि अर्थशास्त्र में एक महत्वपूर्ण उक्ति है कि भारत का किसान कर्ज में पैदा होता है, कर्ज में जीता है और कर्ज में ही मर जाता है। ऐसे में ये कृषि कानून एक मील का पत्थर साबित हो सकते हैं। बिना बाजार में गए एवं आढ़त में बिना बोली लगाए बस मोबाइल में एक क्लिक द्वारा पूरे देश में किस बाजार में, किस जगह, किस मूल्य पर, कौन सी वस्तु, कितने दाम पर खरीदी एवं बेची जा रही है, उसकी समस्त जानकारी एक पल में हासिल होगी तो किसान अपनी मर्जी से, अपनी शर्तों पर, अपनी फसल को कहीं भी बेच सकता है। यह कृषि कानून ऑनलाइन ट्रेडिंग द्वारा घर बैठे ही सभी झंझटों से मुक्ति दिलाते हैं और असीम संभावनाओं के द्वार खोलते हैं। जब सब चीजें ऑनलाइन खरीदी और बेची जा सकती हैं तो कृषि उत्पाद क्यों नहीं। कृषि उत्पादों की अधिक कीमत के लिए नवीन तकनीकी के प्रयोग द्वारा पोषक तत्वों की मात्रा एवं गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए किसान अधिक उत्पादन करने के लिए प्रोत्साहित होंगे। वास्तव में यहीं से किसान को अपना हक मिलने की शुरुआत होगी एवं उसके सामने विकास के नए विकल्प खुलेंगे। स्मार्ट खेती को बढ़ावा मिलेगा। आवश्यकता आधारित अवधारणा से हटकर मांग आधारित खेती की एक नई शुरुआत होगी। अंतरराज्यीय एवं अंतरराष्ट्रीय कृषि मांग के अनुरूप उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। एक देश एक बाजार की अवधारणा हमारे सामने विकास की नई इबारत लिखेगी। इससे किसानों की आय में भी सुधार होगा और देश में बेरोजगारी भी घटेगी। यदि इसमें कुछ कमियां हैं तो सुधार किया जा सकता है। विपक्षी दलों को भी अपने राजनीतिक लाभ–हानि को छोड़कर देश के विकास को ध्यान में रखते हुए देशहित में ही कार्य करना चाहिए। आने वाले समय में जब इन कानूनों की सार्थकता सामने आएगी तो उनके सामने अपना सिर धुनने के अलावा कोई और चारा नहीं होगा। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत में कृषि उत्पादन कई गुना बढ़ा, परंतु यह वृद्धि असंतुलित ही रही है। इसी कारण किसानों की स्थिति में बहुत सुधार नहीं हो सका है। इसका प्रमुख कारण यह है कि प्रति एकड़ औसत आय लगभग 20,000 रुपये तक ही रही है और लगभग 10 करोड़ किसान परिवारों के पास करीब दो–तीन एकड़ ही कृषि योग्य भूमि ही है। इस तर्क से सभी विशेषज्ञ सहमत हैं कि नए कृषि कानूनों से कृषि में आधुनिकीकरण की एक नई शुरुआत होगी। किसानों को अच्छे बीज और सिंचाई से लेकर भंडारण एवं बाजार की उपलब्धता और अधिक आसान हो जाएगी। भारत की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता के अलावा उत्पादन में भी अधिक बढ़ोतरी की संभावनाएं विद्यमान हैं। भारत में जमीन की उपलब्धता विश्व के अन्य देशों की तुलना में बहुत अधिक है, परंतु उत्पादकता उन देशों की तुलना में मात्र एक चौथाई ही है। आज यह समझने की आवश्यकता है कि 21वीं सदी में अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में नए कृषि कानून वास्तव में सहायक होंगे। सुनहरे भविष्य के लिए किसानों को आज नए कृषि कानूनों को स्वीकार करने की मानसिक परिपक्वता का परिचय देना होगा। सब्सिडी के लिए किसान सरकार पर निर्भर न रहकर सरकार से कृषि में दीर्घकालीन निवेश की मांग करें जिससे कृषि में तकनीकी, वैज्ञानिकता, शोध, उर्वरक, नई तरह के बीज एवं कृषि विज्ञान के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तनों को लाया जा सके। इन बातों के मद्देनजर सरकार को कृषि कानून को वापस लिए बिना किसानों को यह स्पष्ट कर देना अति आवश्यक है कि लोकतंत्र में लोगों की बात को मानना लोकतंत्र का सम्मान करना है, परंतु देशहित में सबके हितों की रक्षा का दायित्व भी सरकार का ही है जिसमें हठधर्मिता की कोई गुंजाइश नहीं होती है।

(लेखक अर्थशास्त्री हैं।)

बृजमनगंज पुलिस ने हत्या का किया अनावरण प्रेमिका ने पिता व भाई संग मिल दिया घटना को अंजाम तीनो गिरफ्तार

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। अपराधा एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण बनाये रखने हेतु पुलिस अधीक्षक महराजगंज श्री प्रदीप गुप्ता के निर्देशन में व अपर पुलिस अधीक्षक महराजगंज श्री निवेश कटियार के पर्यवेक्षण में आज दिनाक 03.01.2021 को थाना बृजमनगंज पुलिस द्वारा मु0अ0सं0–02/21 धारा 302,201,120बी,34 भा0द0वि0 का सफल अनावरण करते हुए हत्या मे शामिल अभियुक्तगण 1. संजय सिंह पुत्र स्व0 परमहंस सिंह 2. शेरु सिंह उर्फ अभय सिंह पुत्र संजय सिंह 3.अभियुक्ता श्यामा सिंह पुत्री संजय सिंह नि0गण ग्राम बडुआ टोला गौरा थाना कैम्पियरगंज जनपद गोरखपुर को किया गया गिरफ्तार। दिनांक 28.12.2020 को बृजमनगंज थाना क्षेत्र के सिकंदराजीतपुर बंधे पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने की सूचना पर पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्यवाही कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस टीम द्वारा साक्ष्य संकलन की कार्यवाही की गई। शव की शिनाख्त दुर्विजय गौड़ पुत्र रामप्रसाद निवासी असुरैना टोला कुकेसर थाना परसामलिक जनपद महराजगंज के रूप मे हुई। मृतक के शव के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण थ्रोटलिंग (गला दबाकर हत्या) आया जिसके संबंध में थाना बृजमनगंज पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही थी। घटना के शीघ्र अनावरण हेतु पुलिस अधीक्षक महराजगंज द्वारा क्षेत्राधिकारी फरेंदा के नेतृत्व में टीमों का गठन किया गया जिनके अथक प्रयासोपरांत आज दिनांक 03–01–2021 को थाना बृजमनगंज पुलिस द्वारा हत्या की घटना का सफल अनावरण करते हुए तीन अभियुक्तों संजय सिंह पुत्र स्व0 परमहंस सिंह शेरु सिंह उर्फ अभय सिंह पुत्र संजय सिंह एवं अभियुक्ता श्यामा सिंह पुत्री संजय सिंह को सिकड़ा चौराहा से समय करीब 8.30 बजे गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है, जिनकी निशानदेही पर आला कत्ल एक अदद रस्सी,व एक अदद पल्सर मोटरसाइकिल बरामद कर गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0–02/21 धारा 302,201,120बी,34 भा0द0वि0 का अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया। घटना का संक्षिप्त विवरण– मृतक दुर्विजय गौड़ अभियुक्त संजय सिंह के साथ मुंबई में ट्रक चलाता था परिचित होने के कारण उसके घर आता–जाता रहता था। इसी दरमियान दुर्विजय का नाजायज संबंध उसकी पुत्री श्यामा से हो गया था। मृतक दुर्विजय फोन से अक्सर श्यामा से बातचीत करता रहता था तथा उसके पिता व भाई की अनुपस्थिति में घर आकर नाजायज संबंध बनाता था। यह बात जब पिता–पुत्र को पता चली तो उनको नागवार गुजरी।दिनांक–27.12.2020 को श्यामा ने दुर्विजय को फोन कर अपने घर बुलाया। दुर्विजय जब पीछे के खिड़की से कमरे में घुसा तो श्यामा के चिल्लाने पर उसके पिता संजय सिंह व भाई शेरू सिंह द्वारा दुर्विजय को दौड़ा कर पकड़ लिया गया तथा मकान के खंभे में रस्सी से बांधकर लाठी–डंडे से मारा पीटा गया। भोर के समय पल्सर मोटरसाइकिल पर संजय सिंह व शेरू सिंह मृतक दुर्विजय को बीच में बैठा कर पीछे चादर ओढ़ाकर कर धानी खड़खड़िया पुल के रास्ते धानी कस्बा होते हुए सिकंदराजीतपुर बंधे पर ले गये तथा रस्सी से गला दबाकर दुर्विजय की बेरहमी से हत्या

शिक्षा रुपी हथिनी के दूध पीने से ही भारत फिर से विश्व गुरु बन सकता है– गोपेंद्र

प्रखर डेस्क। बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ गोप गुट के द्वारा आयोजित देश के प्रथम शिक्षिका समाजसेवी और मराठी कवयित्री माता सावित्रीबाई फुले जयंती समारोह को संबोधित करते हुए बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ गोप गुट के प्रवक्ता गोपेंद्र कुमार सिन्हा गौतम ने सबित्री बाई फुले को याद करते हुए कहा कि देश को एक बार फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए शिक्षा रूपी हथिनी के दूध प्रत्येक देशवासियों को पिलाने की सख्त जरूरत है।खास करके उनको जो भारत के दूरस्थ गांवों में आज भी शिक्षा के ज्योतिपुंज से दूर अभाव और अंधकार की जिंदगी गुजर बसर कर रहे हैं। शिक्षा नैतिकता और मानवीय मूल्यों से रहित तुच्छ वस्तु के समान है। ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले दंपति ने देश को सिखाया कि पति और पत्नी कैसे एक दूसरे के सहयोगी बनके देश के समक्ष आदर्श प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने उस मुहावरे को गलत साबित कर दिया कि प्रत्येक पुरुष के सफलता के पीछे एक महिला का हाथ होता है।उन्होंने बतलाया प्रत्येक इंसान की सफलता में स्त्री और पुरुष दोनों का एक समान योगदान है।इसे कतई नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। यह बात सावित्रीबाई फुले के सफलता के पीछे अगर किसी का सर्वाधिक हाथ था तो वह था ज्योतिबा फुले का।जिन्होंने उन्हें शिक्षा देकर दूसरों को शिक्षा देने लायक बनाया।महज नौ वर्ष की उम्र में शादी के बंधन में बंधने के बाद भी अगर आज सावित्रीबाई फुले देश के प्रथम शिक्षिका होने का गर्व हासिल की हैं तो उनके पीछे ज्योतिबा फुले का अहम योगदान रहा है। साथ ही सावित्रीबाई के सफलता में फातिमा शेख और उनके भाई उस्मान का भी बहुत बड़ा योगदान रहा जिन्होंने सावित्रीबाई को विद्यालय स्थापना करने और उसके संचालन में अहम योगदान दिया था। दाउदनगर के नगर पालिका विद्यालय संख्या दो में सावित्रीबाई फुले की 190 वी जयंती पर एक समारोह आयोजित की गई। इस समारोह की अध्यक्षता शिक्षिका निर्मला कुमारी और संचालन गोपेंद्र कुमार सिन्हा गौतम ने किया। जिसमें दाउदनगर अनुमंडल के विविध विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिका एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर माता सावित्रीबाई फुले के चरणों में श्रद्धा के पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए शिक्षिका निर्मला कुमारी ने कहा आज से सैकड़ों वर्ष पहले महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सावित्रीबाई फुले ने जो काम किया है आज उसी का परिणाम है सेवा के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की लगातार हिस्सेदारी बढ़ रही है। इस समारोह को संबोधित करते हुए शिक्षक रविंद्र नाथ टैगोर ने कहा कि विकट परिस्थितियों में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करना सबित्री बाई फुले के संघर्षपूर्ण जीवन से सीखने की जरूरत है।उनके द्वारा महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अट्ठारह सौ बावन में जो प्रथम विद्यालय स्थापित किया गया वही आज मील का पत्थर साबित हो रहा है।आज देश की बहू बेटियां प्रत्येक क्षेत्र में नित्य नई नई उपलब्धियां हासिल कर रही है।आज कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है जहां महिलाओं ने अपना परचम नहीं लहराया हो। शिक्षक देव कुमार भारतीय ने कहा कि सावित्रीबाई फुले के पति और महान समाजसेवी ज्योतिबा फुले पहले शख्सियत थे जिन्होंने महिला को अपने समकक्ष माना और उनके साथ मिलकर ज्ञान के दीपक जलाने के लिए अनेक शिक्षा केंद्रों की स्थापना की है। ज्योतिबा फुले देश के लिए कहते थे किसी भी राष्ट्र को आगे ले जाने के लिए कृषि और किसान ही आधार हैं और इसके लिए उन्होंने एक किसान विद्यालय की भी स्थापना की थी। डॉक्टर शैलेश कुमार मैनेजर डीआरसीसी रोहतास ने अपनी बात रखते हुए बताया कि महिला सशक्तिकरण की बात हर तरफ सुनी जाती है पर जब महिलाएं आगे आती हैं तो उनके राहों में रोड़ा अटकाने वाले लोग बाज नहीं आते ऐसे लोगों को चिन्हित कर समझाने बुझाने की जरूरत है।शिक्षक लाल देव कुमार ने अपनी बात को रखते हुए कहा आज जरूरत है वंचित समुदाय से ताल्लुक रखने वाले तमाम महान विभूतियों पर विश्वविद्यालयों में शोध कार्य किया जाए ताकि उनके अमूल्य योगदान को देश की प्रगति के लिए उपयोग किया जा सके। इस अवसर पर बोलते हुए गोपगुट के उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार ने जिलाधिकारी से आग्रह किया है कि शिक्षा अवकाश तालिका में सावित्रीबाई फुले जयंती को भी शामिल किया जाए और प्रतिवर्ष विद्यालयों में इनकी जयंती नारी सशक्तिकरण दिवस के रूप में मनाई जाए।इस समारोह के अंत में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए गोपेंद्र कुमार सिन्हा गौतम ने इन पंक्तियों से सभा समाप्ति की घोषणा की ष्बेटी है तो सृष्टि है फिर क्यों हमारी उनके प्रति गिद्ध वाली दृष्टि हैष्इस सोच को बदलने की जरूरत है। कार्यक्रम के अंत में दिल्ली में चल रहे किसान आंदोलन में शहीद होने वाले चौव्वन वीर अन्नदाताओं के प्रति कृतज्ञता जाहिर करने के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दिया गया। इस कार्यक्रम में बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ गोप गुट के प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार रत्ना, प्रखंड सचिव परवेज आलम, शिक्षक उदय कुमार, शिवधार देव,अजय प्रजापति, विमलेश कुमार ,रवि रंजन कुमार, उमेश प्रसाद ,प्रदीप कुमार उपाध्यक्ष बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ गोप गुट ,ग्रह नारायण सिंह ,पंडित राधेलाल ,समाजसेवी श्याम देव निराला ,शिक्षिका कांति कुमारी ,रंभा कुमारी ,मीना कुमारी, प्रतिभा कुमारी , एवं अवकाश प्राप्त शिक्षिका कांति कुमारी ने भी अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई।

भाजपा मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में थाने में दिया गया तहरीर

प्रखर रामनगर वाराणसी। आज दिनांक 3 जनवरी 2021 दिन रविवार दोपहर 01रू00 बजे भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह एवं सभासद नंद लाल चौहान के अगुवाई में रामनगर थाने में समाजवादी पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के खिलाफ तहरीर दी जिसमे उन्होंने विगत दिनों कोरोना वैक्सीन के बारे में किए गए टिप्पणी पर रोष व्यक्त करते हुए कहा पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा अखिलेश सिंह यादव द्वारा दोहरे राजनीति का मापदंड अपनाते हुए पहले उन्होंने कहा था कि भारतीय जनता पार्टी को देश में कोरोना वैक्सीन लाने का काम करें और जनता को निशुल्क वैक्सीन उपलब्ध करें जब आज सरकार ने कोरोना वैक्सीन राष्ट्र एवं देश हित में निःशुल्क लगाने का कार्य आरंभ किया वही अपने दोहरे राजनीति अपनाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने विरोध व्यक्त करते हुए अपने शिक्षा का परिचय दिया जिसमें उन्होंने कहा यह वैक्सीन भाजपा की वैक्सीन है हम इसे नहीं लगाने देंगे क्योकि लगाएंगे तो व्यक्ति नपुंसक हो जाएगा इस तरह के बयान उन्होंने जो दिया है वह काफी निंदनीय है हम भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओ ने इसे वैज्ञानिकों का अपमान कहा यह बयान देश व राष्ट्र हित के खिलाफ है जिसका हम सभी कार्यकर्ता पुरजोर विरोध करते हैं एवं स्थानीय प्रशासन से मांग करते हैं कोविड–19 महामारी को देखते हुए अनिवार्य टीकाकरण अधिनियम 1892 और महामारी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराने की माँग करते है कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह सभासद दल के नेता नंद लाल चौहान अशोक जायसवाल डॉ अनुपम गुप्ता जितेंद्र पाण्डेय जितेंद्र यादव संतोष शर्मा मनोज यादव रितेश राय प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

औषधि ये तुम्हारी !

लेंगे नहीं दवाई ।
बोले ससम्मान ।।
औषधि ये तुम्हारी ।
मेरा भी विज्ञान ।।
रही कराह दुनिया ।
क्या इससे है लेना ।।
औषधि जब हमारी ।
ना होगा कुछ देना ।।
ठहरे बुद्धिजीवी ।
सुनो लगाकर ध्यान ।।
हम भी हैं जनसेवक ।
रखते ना कम ज्ञान ।।
अपने में गंभीरता ।
मैंने लिया उतार ।।
मुझको ना मंजूर ।
यह आपकी कतार ।।

कृष्णेन्द्र राय

"2021 – भारत और विश्व के समक्ष चुनौतियां' इस विषय पर ऑनलाइन विशेष संवाद !"

'तीसरा महायुद्ध होने पर उसका सामना करने के लिए भारत सक्षम ! विशेषज्ञों का मत'

आनेवाले काल में यदि तीसरा महायुद्ध हुआ, तो उपलब्ध भौतिक साधनसामग्री और सैन्यबल के आधार पर उसे उत्तर देने में भारत सक्षम है, ऐसा मत 'वर्ष 2021 रू भारत और विश्व के समक्ष चुनौतियां' इस चर्चा में सम्मिलति विशेषज्ञों ने व्यक्त किया । यह ऑनलाइन संवाद हिन्दू जनजागृति समिति की ओर से आयोजित किया गया था । इसमें नई देहली में सुरक्षा और विदेशनीति विशेषज्ञ श्री. अभिजित अय्यर–मित्रा, भारत रक्षा मंच के राष्ट्रीय सचिव श्री. अनिल धीर, अमेरिकी संशोधक तथा 'पीगुरुज' जालस्थल के संपादक श्री. श्री अय्यर के साथ हिन्दू जनजागृति समिति के राष्ट्रीय मार्गदर्शक सद्गुरु (डॉ.) चारुदत्त पिंगळेजी सहभागी हुए थे । यह कार्यक्रम फेसबुक और यू–ट्यूब के माध्यम से 33,062 लोगों ने प्रत्यक्ष देखा । इस अवसर पर 'संरक्षण और विदेशनीति विशेषज्ञ श्री. अभिजित अय्यर–मित्रा' बोले कि प्रत्यक्ष नहींय परंतु अपरोक्ष रूप में चीन तीसरे महायुद्ध का कारण बन सकता है । चीन ने यदि भारत पर आक्रमण किया, तो पाकिस्तान भी भारत पर आक्रमण कर सकता हैय परंतु पाकिस्तान के भारत पर आक्रमण करने पर चीन पाकिस्तान की सहायता के लिए नहीं आएगा । चीन स्वार्थी होने से वह कभी 'उत्तर कोरिया' जैसे अपने मित्र की सहायता के लिए भी कभी तत्परता से नहीं गया । चीन अपनी हानि कम से कम कैसे होगी, यह देखता है । ''पीगुरुज' जालस्थल के संपादक श्री. श्री अय्यर' बोले, चीन विश्व के विविध तंत्रज्ञान की चोरी कर उसकी नकल (कॉपी) करता है । उसकी गुणात्मकता (दर्जा) अच्छी नहीं । विएतनाम के युद्ध में चीन को मैदान छोडकर भागना पडा है । प्रत्यक्ष में चीन ने कभी युद्ध जीते न होने से उसके शस्त्र और विमान युद्ध में कितने चलेंगे, यह प्रश्न ही है । प्रत्यक्ष युद्ध के स्थान पर अन्य तंत्रज्ञान और साधनों का उपयोग चीन द्वारा हो सकता है । 'भारत रक्षा मंच के राष्ट्रीय सचिव श्री. अनिल धीर' बोले, 'पूरे विश्व को पता है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री केवल नाम के लिए हैं । सभी कामकाज वहां की पाक सेना चलाती है । आनेवाले काल में पाकिस्तान की स्थिति और अधिक बिकट होने की संभावना है । भारत वर्ष 1962 का नहीं रहा, यह चीन को लद्दाख के प्रश्न से समझ आ गया होगा । इसलिए युद्ध के स्थान पर वह नेपाल और श्रीलंका को भारत से तोडने का प्रयत्न कर रहा हैय परंतु वह संभव नहीं होगाय इसलिए कि भारत से सांस्कृतिक संबंध होने से नेपाल–भारत मैत्री अबाधित रहेगी । 'हिन्दू जनजागृति समिति के राष्ट्रीय मार्गदर्शक सद्गुरु (डॉ.) पिंगळे' बोले कि विश्व के विविध देशों में हो रहा आर्थिक वर्चस्ववाद, विस्तारवाद, स्वार्थ और अहंकार के कारण विश्व तीसरे विश्वयुद्ध की ओर अग्रसर हो रहा है । आनेवाले काल में यदि तीसरा विश्वयुद्ध हुआ, तो भी सेना, शस्त्र और अन्य साधनसामग्री में भारत की तुलना में सबल चीन को, इसके साथ ही जिहादी आतंकवाद को समर्थन देनेवाले इस्लामिक देशों से घबराने की आवश्यकता नहींय क्योंकि श्रीराम, श्रीकृष्ण, आर्य चाणक्य और छत्रपति शिवाजी महाराजजी ने धर्म का न्याय पक्ष होने से कम सेना और साधनसामग्री होने पर भी युद्ध जीते हैं, यह ध्यान में रखना चाहिए ।

चोरी की घटना हुए 48 घंटे हो गए बृजमनगंज पुलिस के हाथ अभी भी खाली

प्रखर पूर्वांचल महाराजगंज ब्यूरो। जनपद महाराजगंज के नगर पंचायत बृजमनगंज के मुख्य चौराहे पर 31 दिसंबर की रात अज्ञात चोरों द्वारा बालाजी रेडीमेड शॉप की दुकान का शटर तोड़कर 7000 रुपये नकदी एवं लगभग 50000 रुपये की कीमती सामान उठा ले गए सुबह घटना की सूचना मिलते मौके पर बृजमनगंज पुलिस पहुंची कस्बे के व्यापारियों व जनप्रतिनिधियों ने चोरी की घटना की घोर निंदा करते हुए पीड़ित व्यापारी को साथ लेकर थानाध्यक्ष संजय दुबे को तहरीर दी परंतु 48 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस चोर का पता लगा पाने में असफल रही है। जहां कस्बे के अंदर 24 घंटे पुलिस का पहरा रहता है 100 मीटर की दूरी पर थाना स्थित है एवं कस्बे के बीचो बीच में डाकघर एवं स्टेट बैंक स्थित है। होमगार्ड की ड्यूटी देर रात सभी चौराहे पर लगे रहने के बावजूद चोरी की घटना अपने आप में एक सवाल खड़ा करता है ।पुलिस की लापरवाही साफ दिखाई दे रही है इसके पूर्व बीते वर्ष कस्बे में स्थित रामलीला पडाव शिव शक्ति मंदिर में शनि देव मंदिर के अंदर ताला तोड़कर एंप्लीफायर मशीन लगभग 15000 की चोरी हुई ।चोरी की सूचना समाजसेवी विनोद जयसवाल ने थानाध्यक्ष संजय दुबे को देकर तहरीर भी दिया परंतु पुलिस ने चोर को पकड़ने का आश्वासन देकर इस घटना को ठंडे बस्ते में डाल दिया ।बीते 14 अगस्त 2020 की रात सुप्रसिद्ध लेहरा देवी मंदिर में चोरों द्वारा दान पेटी की चोरी की गई चोर सीसीटीवी फुटेज में दिखाई पड़ने पर भी 4 माह से अधिक हो गए परंतु पुलिस प्रशासन चोर को पकड़ने में नाकाम रहे। शासन प्रशासन द्वारा प्रत्येक थाने पर पुलिस व होमगार्ड 112 नंबर की गाड़ी की समुचित व्यवस्था जनता की सुरक्षा के लिए लगाया गया है परंतु कहीं ना कहीं प्रशासन की लापरवाही साफ झलक रही है यदि ऐसा ही रहा तो आने वाले समय में चोरों और अपराधियों के हौसले बुलंद होते जाएंगे ।

दृष्टि बाधित युवक को नही मिली कोई सरकारी सहायता युवक भीख मांगने को मजबूर

प्रखर पतरही जौनपुर। पतरही पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोपा में रोशन हाशमी नामक युवक को नही मिली कोई सरकारी सहायता युवक 18 साल से भीख मांगकर अपना गुजारा करता है।ग्राम पंचायत कोपा का यह युवक दोनों आंखों से अंधा है ।लेकिन इसके बावजूद इसे कोई भी सहायता मुहैया नही कराई गई है।पीड़ित का कहना है कि पीड़ित ग्राम प्रधान के यहाँ कई साल से चक्कर लगा रहा है।लेकिन ग्राम प्रधान ने ध्यान नहीं दिया।पीड़ित का कहना है कि ग्राम प्रधान बोलते हैं कि तुमको पैसे की क्या जरूरत है। तुम तो पैसे कमा रहे हों ।पीड़ित को कोई सहायता न मिलने से पीड़ित है परेशान। तस्वीरों में आप देख सकते हैं पीड़ित देख नही सकता।

तीन बहुरानियाँ की शूटिंग वाराणसी में माँ भगवती मंदिर से शुरू की गई

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। देवशक्ति एंटरटेनमेंट प्रस्तुत भोजपुरी संस्कृति व संस्कार को समेटे हुए भोजपुरी फिल्म तीन बहुरानियाँ की शूटिंग उत्तर प्रदेश की पावन धरती वाराणसी के पियरी गाँव स्थित माँ भगवती मंदिर से शुरू की गई। चूँकि फिल्म में पूजा पाठ का दृश्य फिल्मांकन करना था, इसलिए माँ भगवती मंदिर से शुरुआत होना बहुत सुखद संयोग है। गौरतलब है कि देव शक्ति एंटरटेनमेंट बैनर के तले भव्य पैमाने पर निर्मित की जा रही भोजपुरी फिल्म तीन बहू रानियां समाज को जागरूक करने वाली है। यह क्या फिल्म हर वर्ग के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। इस फिल्म को परिवार के सभी सदस्य एक साथ बैठकर देख सकेंगे और फिल्म का आनंद उठा सकेंगे। इस फिल्म से समाज को नया मैसेज भी मिलेगा। इस फिल्म की शूटिंग तीन जनवरी से वाराणसी के कई मनोरम स्थलों पर उम्दा तकनीकी के साथ शुरू करना भी एक संयोग है। मजे की बात यह है कि 3 बहुरानियाँ फिल्म की मेकिंग में तीन अंक का जोड़ बेमिसाल है। इस फिल्म में 3 अंक काफी महत्वपूर्ण है। फिल्म के निर्माता राम करन कुमार, संतोष कुमार शंकु और फिल्म निर्मात्री तनुप्रियंका सिंह हैं। फिल्म के निर्देशन की बागडोर संभाल रहे हैं निर्देशक रंजीत सिंह। फिल्म के कथा, पटकथा सार्दुल राठौर, संवाद बिट्टू विद्यार्थी हैं, जिन्होंने सम्पूर्ण पारिवारिक फिल्म का लेखन किया है। संगीतकार एस के बच्चा, अजय सिंह एजे हैं, जिन्होंने गीतकार जेडी बहादुर, बिट्टू विद्यार्थी, तारकेश्वर मिश्रा राही के लिखे गीतों को मधुर संगीत से सजाया है। छायांकन उदय तांती कर रहे हैं, जो बॉलीवुड के दिग्गज फिल्म मेकर प्रकाश झा के चहेते सिनेमाटोग्राफर है। वे बहुचर्चित वेब सीरीज आश्रम के भी कैमरामैन रह चुके हैं। नृत्य निर्देशन अनुज मौर्य हैं। फिल्म प्रचारक रामचन्द्र यादव, अरविन्द मौर्या हैं। फिल्म के मुख्य कलाकार अयाज खान, अरमान ताहिल, रीना बाघमारे, निधि पाल, मधु सिंह राजपूत, जुबैर शाह, बन्धु खन्ना, शिल्पा जोशी, सचिन श्रीवास्तव, मनोज कुमार, सरिता यादव, मास्टर जयदेव सिंह आदि हैं।

मुलायम सिंह यादव की बायोपिक फिल्म मैं मुलायम का धमाकेदार ट्रेलर जारी '

प्रखर मनोरंजन। एम एस फिल्म्स एंड प्रोडक्शन के बैनर तले निर्मित बायोपिक फिल्म–मैं मुलायम का ट्रेलर पिछले दिनों धमाकेदार अंदाज में लिंक क्रॉफ्ट स्टूडियो, सहारा होटल (मुम्बई) में आयोजित एक भव्य समारोह में फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर व डॉन सिनेमा के संचालक महमूद अली, अभिनेत्री दीपशिखा नागपाल, आरती नागपाल, ब्राइट के योगेश लखानी, फिल्म के मुख्य अभिनेता अमित सेठी, निर्मात्री मीना सेठी मंडल, अभिनेत्री सना अमीन शेख, सुप्रिया कार्णिक, संगीतकार तोशी और शारिब, राइटर राशिद इकबाल, आफताब अली, भूमिका कलिता, सुनील पाल, निर्माता विरल पंड्या और नेहाल सिंह, निर्देशक फैसल खान, कुलदीप सिंह, डीओपी रणविजय सिंह, अनीस शेरोन खान, समीर मलिक और रियाज भाटी की उपस्थिति में जारी किया गया। सपा नेता व उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के जीवनवृत पर आधारित इस बायोपिक फिल्म के निर्देशक सुवेन्दु राज घोष और स्क्रिप्ट राइटर राशिद इकबाल हैं। इस फिल्म को बॉलीवुड की चर्चित फिल्म वितरण कम्पनी श्डॉन सिनेमाश पूरे विश्व भर में रिलीज करने जा रही है। यह फिल्म मुलायम सिंह के जीवन से जुड़ी रोचकअनछुए पहलुओं को पेश करेगी।

बी एफ सी पब्लिकेशन्स की नवीनतम प्रस्तुति, मेजर आनंद– ख्वाबों की मंजिल का नायक (सफरनामा फौज से फिल्मों तक) का लोकार्पण समारोह सम्पन्न

प्रखर मनोरंजन। रामसे ग्रुप की फिल्म–अंधेरा फिल्मी कैरियर शुरू करने वाले अभिनेता मेजर आनंद के हिस्से में जब फिल्म–श्शोलेश आई तब जा कर उनकी तकदीर ने करवट ली। अमजद खान/ गब्बर सिंह के साथ निभाये गए एक छोटे से रोल ने मेजर आनंद को सुर्खियों में ला दिया। अभिनेता मेजर आनंद ने 70 के दशक में ही फौज की नौकरी छोड़ कर अपना रुख फिल्मों के तरफ किया और फिल्मी कर्मपथ पर अग्रसर हुए और अपने जीवन काल में लगभग 75 फिल्मों में काम किया। अभिनेता मेजर आनंद ने 3 सितंबर 2020 को इस दुनियां को अलविदा कहा। बी एफ सी पब्लिकेशन्स (लखनऊ) की नवीनतम प्रस्तुति–श मेजर आनंद– ख्वाबों की मंजिल का नायकश (सफरनामा फौज से फिल्मों तक) में अभिनेता मेजर आनंद के फिल्मी कैरियर से जुड़े अनछुए पहलुओं को शामिल किया गया है। साथ ही साथ फिल्म विधा में रुचि रखने वाले नवोदित कलाकारों व फिल्म निर्माताओं के लिए इस बायोग्राफी में फिल्म डायरेक्टरी का भी समावेश किया गया है।पाठकों के लिए यह बायोग्राफी काफी उपयोगी साबित होगी। पिछले दिनों बी एफ सी पब्लिकेशन्स द्वारा प्रकाशित इस बायोग्राफी का लोकार्पण समारोह आदर्श नगर,अंधेरी पश्चिम(मुम्बई) स्थित शाकुंतलम स्टूडियो में वेस्टर्न इंडिया फिल्म प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के महा सचिव दिलीप दलवी एवं अन्य पदाधिकारी राजेश मित्तल, सुभाष दुर्गारकर, फिल्म पत्रकार शामी एम इरफान, फिल्मकार आकाश जैन, फिल्म एडिटर राजीव प्रसाद, शंकर माही, कैमरामैन योगेंद्र शुक्ला, सहायक निर्देशक पवन शर्मा और भारतीय सिनेमा के पहले सुपर स्टार राजेश खन्ना के सेक्रेटरी रह चुके अश्वनी ठक्कर की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस बायोग्राफी के लेखक काली दास पाण्डेय हैं। बायोग्राफी का किंडल(ई बुक) संस्करण अमेजन (https://amzn-in/7TQc9qK) पर उपलब्ध है।

अतिक्रमण पर फिर चली बुल्डोजर व्यापारियों में छाई उदासी

आशियाना टूटते ही झलक पड़े आंशू, बिजली की आपूर्ति भी रही दूर

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। महाराजगंज थाना क्षेत्र ठूठीबारी कस्बे के मुख्य सड़क मार्ग के चौड़ीकरण को लेकर अतिक्रमण पर लाल निशान लगाने के वावजूद भी ज्यादातर लोग लगाए गए लाल निशान के माप से अतिक्रमण हटाने में असफल रहे तो वही लोगों ने लगे लाल निशान पर अतिक्रमण हटाने में ज्यादातर सफल रहे । बताया जा रहा कि काफी दिनों के बाद भी लाल निशान पर फिर चली बुल्डोजर ने सभी को निराश कर डाला । जिससे बुल्डोजर की दहशत को देख लोग चिंतित हो गए । जिसमे चिन्हित किए गए निशान पर फिर प्रशासन के मौजूदगी में दिन शनिवार को जेसीबी से अतिक्रमण पर बुल्डोजर चली । ठूठीबारी कस्बे के 800 मीटर मुख्य मार्ग के सड़क की चौड़ीकरण के लिए शासन ने दो करोड़ रुपया मंजूर किया है। वही एसडीएम रामसजीवन , सीओ देवेंद्र कुमार व पुलिस प्रशासन मौजूद रहे । आशियाना टूटते ही झलक पड़े आँसू ज्यादातर मकान लाल निशान के चिन्हित में देखा जा रहा है । जो अतिक्रमण करने वालो पर बुल्डोजर से मकान को तोड़ी जा रही है । जो चिन्हित के बावजूद लोगो ने इसको हल्का में रखा था । दूर अतिक्रमण चौडीकरण कार्य को देख बिजली भी दूर रही । जो कार्य को देख किसी भी प्रकार की असुविधा न उठानी पड़े । बिजली की आपूर्ति ठप से ग्रामीणों को बेहद परेशान है ।

मंत्री अनिल राजभर ने अपने ही पार्टी पर उंगली उठाई सभी मुसलमानों को सैयद सलार गजीमसुद कहा – शशि प्रताप सिंह

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। आज एक बैठक शहर उत्तरी 388 विधानसभा बेनीपुर वार्ड 33 सारनाथ में हिर्दय राजभर की अध्यक्षता में हुई। उपस्थित प्रदेश उपाध्यक्ष शशिप्रताप सिंह ने कहा कि बैठक संगठन को मजबूत बनाने के लिये किया जा रहा है, लेकिन अफसोस कि बात है कि केबिनेट मंत्री अनिल राजभर अपनी काम के हिसाब देने के बजाए अपने नाकामी को छुपाने के लिए जात पात का खेल खेल रहे है । बीजेपी का कहना है कि सबका साथ सबका विकास, लेकिन मंत्री जी का स्वजातीय कार्ड खेलना दुर्भाग्यपूर्ण है। चुनावी वर्ष में अपना किया हुआ काम जनता को बताना चाहिय।राष्ट्रवीर महाराजा सुहेलदेव जी हिदू राष्ट्र रक्षक के रूप में जाने जाते है, जिनके राज्य में सभी जाति के लोग अमन चौन से रहते थे। लेकिन मंत्री अनिल राजभर जाति का सहारा लेकर सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर असुदीन ओवैसी से मिलने को सैयद सालार गजीमसुद से मिलना बताकर अपने'ही पार्टी पर अंगुली उठा रहे है । उनको पहले अपने मालिक अमित शाह से पूछना चाहिये की 2,5 वर्ष तक कश्मीर में महबूबा मुफ्ती से हाथ मिलाकर क्या किया जो अलगावादी नेता के रूप में जानी जाती है, द्यअनिल जी को पूछना चाहिये कि बीजेपी के कई नेताओ के रिश्ते सैयद सलार गाजीमसूद मुसलमान के घर मे है अभी कश्मीर में पंचायत चुनाव में कितने मुसलमान प्रत्याशी को टिकट दिया था, इनको पूछना चाहिय की हैदराबाद में वार्ड के चुनाव में कितने मुसलमान को टिकट दिया था। इनको पूछना चाहिय की मुख्तार अब्बाश नकवी और शाहनवाज हुसैन मुसलमानी खत्म कर हिन्दू हो गए है। यूपी पोस्टर बॉय के नाम बक्फ बोर्ड के मंत्री मोहसिन राजा नेजमाहेपतुल्ला के दमाम क्यो बीजेपी में है। मंत्री अनिल राजभर को अपने पार्टी की दामन पर उंगली उठाने के पहले इस्तीफा देना चाहिए। सपा से राजनीति शुरू करने वाले आजम खां के गोद मे खेलने वाले को अपने गिरिवान मे पहले देखना चाहिये । भाजपा नेताओं के अंदर अगर वास्तव में हिंदुत्व है तो ऐसे दो मुहे नेता को बाहर करना चाहिये। सुहेलदेव जी के नाम पर पार्टी बनाना अपने कुलगौरव भगवान को रोज याद करना जैसा इसकी जितनी निंदा की जाय कम नही होगा 'भगवान महाराजा सुहेलदेव जी का अपमान करने वाले को तत्काल समाज से माफी मांगना चाहिये। बैठक में महानगर अध्यक्ष जगेश्वर राजभर, शशिप्रताप सिंह, सुमित राजभर, रामसमुझ राजभर, बिनोद सिंह टीटी, हिर्दय राजभर, गया राजभर, दिनेश गुप्ता, डॉ0 सुनील मौर्या, जयप्रकाश राजभर श्रीमती गामा राजभर, आदि लोग उपस्थित रहे ।

अति पिछड़ा समाज एकजुट हो– चन्दन सिंह चौहान

सहमलपुर में सम्पन्न हुआ कार्यकर्ता सम्मेलन

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पृथ्वीराज चौहान जनशक्ति पार्टी के के राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्दन सिंह चौहान ने कहाकि कार्यकर्ता पार्टी के रीढ़ होते हैं। अति पिछड़ी समाज को किसी भी सरकार ने मान सम्मान नही दिया है। उक्त बातें पिंडरा विस् क्षेत्र के सहमलपुर में सम्राट पृथ्वीराज चौहान के प्रतिमा के समक्ष रविवार को आयोजित विस् स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि अति पिछड़ा व दलित समाज समाज को किसी भी दल ने संबैधानिक हक अधिकार नहीं दिया। समाज के लोगों को अपने हक और अधिकार को पाने के लिए एकजुट होना होगा। पंचायत चुनाव में भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने किसानों के मुद्दे पर कहाकि सरकार किसान के हितों को ध्यान में रखकर उनसे वार्ता खुले दिल से करना चाहिए। सम्मेलन की अध्यक्षता रामाशंकर चौहान व संचालन जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार चौहान ने किया। इस दौरान , राजेन्द्र मौर्य, चन्द्रिका जायसवाल, अनिता प्रजापति, राधिका चौहान, कमलेश यादव, रामधनी राजभर, फौजदार चौहान, दशरथ वनवासी,विजय चौहान, अनिल चौहान, सन्तोष, व अजित चौधरी समेत अनेक लोगों ने सम्मेलन को सम्बोधित किया। सम्मेलन दोपहर एक बजे से 3 बजे तक चला। सम्मेलन में पुरुषों से अधिक महिलाओं की संख्या अधिक रही।

समाजसेवियों ने ठूठीबारी को ग्राम पंचायत बनाने के लिए की दिया ज्ञापन

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। ठूठीबारी कस्बे को ग्राम पंचायत बनाने व विगत दो सप्ताह से अतिक्रमण से निरस्त पड़ी विधुत पानी को बहाल करने के लिए संकेत किया । इंडो नेपाल बार्डर पर स्थित ठूठीबारी को नगर पंचायत बनने व दो सप्ताह से अतिक्रमण से निरस्त पड़ी विधुत पानी को बहाल कराने के लिए समाजसेवियों ने नायब तहसीलदार के माध्यम से उपजिलाधिकारी को ज्ञापन दिया । जिसमें ठूठीबारी ग्राम सभा का विकास तेजी से हो जो आए दिन लोगो की समस्या का निराकरण निकल सके । काफी आबादी के पश्चात नगर पंचायत का दर्जा दी जाए ताकि लोगो पर बनी समस्याओं का हल हो सके साथ ही ठूठीबारी का विकास की रवैया दिन प्रतिदिन बिगडती नजर आ रही है । जो समाजसेवियों द्वारा दीए गए ज्ञापन पर जोर दी जाए । वही सतीश निगम राष्ट्रीय सचिव भारतीय किसान संघर्ष समिति ने बताया कि ठूठीबारी ग्राम सभा को नगर पंचायत बनाई जाए । जिसमें दिन प्रतिदिन बिगड़ती विकास की रवैया से काफी क्षेत्र प्रभावित है । इस दौरान सतीश निगम राष्ट्रीय सचिव भारतीय किसान संघर्ष समिति , प्रतीक जोशी आदि लोग मौजूद रहे ।

किसान आंदोलन के समर्थन में भाकपा माले के बैनर तले निकला पद यात्रा

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। जनपद महराजगंज थाना क्षेत्र निचलौल मे आज दिनाँक 3 दिसम्बर 2021से भाकपा माले के बैनर तले गांव,गांव तक पद यात्रा किया गया , दिल्ली में चल रहे 3 कृषि काले कानून के खिलाफ किसान आंदोलन के समर्थन बंदी चौराहे से , पद यात्रा ग्राम सभा बन्दी, बेलहवा टोला, बसडीला, और होरिलपुर में जाके समाप्त किया गया जगह, जगह नुक्कल सभा के माध्यम से ग्रामीण जनता को जागृत किया गया सभा की अध्यक्षता कामरेड, रामअधार चौरसिया ,ने किया संचालन कामरेड संजय निषाद ने किया और सभा और पद यात्रा में कामरेड श्रीपती विष्वकर्मा ,मोहन गुप्ता ,बालकिशुन,धर्मेंद्र निषाद परसन निषाद रामबहल निषाद दो दर्जन से ज्यादा कामरेड शामिल रहे , मुख्यवक्ता कामरेड हरीश भाई ने सभा के माध्यम से कहा की स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट सरकार लागू करे,न्यूनतम समर्थन मूल्य का कानून बनाये इसी बीच जिला पंचायत वार्ड संख्या 47 से उम्मीदवार कामरेड संजय निषाद भाकपा माले एरिया सचिव ने कहा ,की कोरोना के आड़ में मोदी,सरकार ने देश के बड़े पूजीपतियों का आठ लाख करोड़ माफ,कर दिया तो इस देश के कर्ताधर्ता गरीबो,किसानों का भी बिजली बिल समेत सभी प्रकार का कर्जा माफ् होना चाहिए वक्ताओं ने बताया कल 4 जनवरी को सिसवा पूर्वी के गाँवो में पद यात्रा किया जायेगा पद यात्रा में अबदुल सालहीन ,हसनैन, पवन चौधरी इन्द्रावती विश्वकर्मा रामायण विष्वकर्मा शामिल रहे।

चायनीज मांझे का बहिष्कार करने हेतु जागरूकता अभियान

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। रविवार दोपहर के समय विकास खंड आराजी लाइन के जंसा बाजार में युवा फाउंडेशन, अनमोल सेवा समिति व परोपकार फाऊंडेशन तथा हरित क्रांति सेवा समिति के तत्वधान में बच्चों को चायनीज मांझे का प्रयोग ना करें इसके लिए जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम के प्रमुख रूप से राजेश कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता रहा और वही तमाम युवा साथी आयुष शर्मा, प्रियांश विश्वकर्मा, अजय कुमार, आर्यन यादव, आकाश प्रजापति, मनीष यादव, ऋषभ शर्मा, आदि लोग सम्मिलित हुए।

सुभासपा ने लगाई चौपाल

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी द्वारा रविवार को पिंडरा ब्लाक के ग्राम सभा गड़खड़ा में पार्टी के पदाधिकारियों ने चौपाल लगाकर पार्टी के नीतियों को बताया। चौपाल में बोलते हुए जिलाध्यक्ष गणेश चौहान ने कहा कि पार्टी प्रदेश में समान शिक्षा लागू कराना चाहती है । जिस तरह से अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति की जनगणना अलग से होती है । उसी प्रकार पिछड़े वर्ग की जनगणना भी अलग से कराने की बात कही गई ।और जिस तरह लोकसभा विधानसभा में चुनाव लड़ने के लिए एससी एसटी को आरक्षण की व्यवस्था है उसी तरह से पिछड़े समाज को भी लोकसभा विधानसभा में आरक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश में भी बिजली बिल पूरी तरह से

डॉक्टर संजय सक्रिय कार्यकर्ता रहे– अजय राय

पार्षद सजंय सिंह के लिए हुई शोक सभा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विस् क्षेत्र के एसबी इंटर कालेज बूची मंगारी में रविवार को कांग्रेस से सराय गोबर्धन के पार्षद रहे डॉक्टर संजय सिंह के निधन पर एक श्रद्धाजंलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमे उनके असामयिक निधन पर शोक व्यक्त किया गया। श्रद्धाजंलि सभा को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक अजय राय ने कहाकि असमय हम लोगों के बीच से डॉक्टर का जाना दुःखद रहा। वह कांग्रेस के एक वफादार और सक्रिय कार्यकताओं में से एक रहे। उनके निधन से स्वयं की अपूरणीय क्षति पहुंची है। श्रद्धाजंलि सभा को कांग्रेस के जिला अध्यक्ष राजेश्वर पटेल, विघ्नेश्वरानंद उपाध्याय, रामसनेही पांडेय, श्रीप्रकाश सिंह, रामाश्रय मिश्र, त्रिभुवन पांडेय, विवेक सिंह रिकू, राजू राम, विनय उपाध्याय, विनोद पांडेय, गुड्डू प्रधान, श्याम बाबू सिंह, गिरी बाबा, शशिकांत मिश्रा समेत अनेक दर्जनो लोगों ने उनके तैल चित्र पर माल्यर्पण अर्पित किया। इसके पूर्व दो मिनट का मौन धारण कर लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त की।

एसडीएम ने किया बूथों का निरीक्षण, दिए निर्देश

प्रखर पिंडरा वाराणसी। विस् चुनाव के मद्देनजर पिंडरा विस् क्षेत्र के विभिन्न बूथों पर लगे कैम्प पर मतदाताओं के अलावा विभिन्न पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने रुचि ली। वही अधिकारियों ने भी निरीक्षण किया। पिंडरा विस् क्षेत्र के पिंडरा स्थित स्वराजी देवी इंटर कालेज, नेशनल इंटर कालेज ,प्राथमिक विद्यालय जमापुर समेत आधा दर्जन बूथों का निरीक्षण एसडीएम पिंडरा जयप्रकाश ने किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ से जानकारी प्राप्त करने के बाद उन्हें आवश्यक निर्देश दिया कि अधिक से अधिक युवा मतदाताओं को जोड़े तथा जेंडर प्रतिशत को भी ठीक रखो। बिना जांच पड़ताल किये किसी भी बाहरी लोगों को मतदाता सूची में शामिल नही करने का निर्देश दिए। वही स्वराजी देवी इंटर कालेज पर भाजपा कार्यकर्ताओं की भीड़ लगी रही। इसके अलावा सिंधोरा, फूलपुर, थानारामपुर समेत अनेक बूथों पर विभिन्न पार्टी के कार्यकर्ता मतदाता सूची का अवलोकन करने के साथ नाम जोड़वाने मे जुटे रहे। एसडीएम के अलावा तहसीलदार और सुपरवाइजर भी बूथों का निरीक्षण किया।

सरदार सेना सामाजिक संगठन ने बड़े की धूमधाम से मनाया तृतीय वर्षगांठ

रामआशिष मौर्य प्रदेश अध्यक्ष

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। सरदार सेना सामाजिक संगठन ने अपना तृतीय वर्षगांठ बड़े की धूमधाम से मनाया तीसरे वर्षगांठ के साथ ही तीन महामाताओं विरांगनाओं राजमाता जीजाऊ, प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्री बाई फूले तथा भारत की प्रथम मुस्लिम महिला शिक्षिका फातिमा शेख का विशाल जयंती समारोह भी मनाया गया जिसमें सामाजिक पृष्टभूमी से जुडे तमाम दिग्गज भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरदार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. आर.एस. पटेल द्वारा किया गया। इस अवसर पर गरिमामयी उपस्थिति में सरदार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. आर.एस. पटेल, पूर्व सांसद मिर्जापुर मा. बाल कुमार पटेल, मा. राम किशुन यादव पूर्व सांसद चन्दौली, शिवबोध राम पूर्व एमएलसी बसपा तथा मौर्य मोतीलाल शास्त्री राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय समानता दल, ज्वाइंट कमीश्नर एके सिंह दोहरे, आरसी पटेल राष्ट्रीय सचिव सरदार सेना, सुधीर सिंह राष्ट्रीय सचिव सरदार सेना, सरदार सेना उ.प्र., राजेश पटेल प्रदेश अध्यक्ष किसान संघ सरदार सेना, संगठन मंत्री सुरेश वर्मा सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे। इस आयोजन में चार चांद लगाती मसहूर टीवी एक्ट्रेस अनामिका सिंह दोहरे ने माता फूले के जीवन पर आधारित अपने नाट्य मंचन से सबका मन मोह लिया। बता दें कि सरदार सेना सामाजिक संगठन की नींव 31 दिसम्बर 2018 को रखी गयी थी तब से लेकर आज तक सरदार सेना वंचितों की आवाज बनती जा रही है। बीतें सालों के अपने कार्यकाल में सरदार सेना ने दर्जनों से ज्यादा आन्दोलन के माध्यम से वंचितों की आवाज को सरकार तक पहुंचा कर उन्हें न्याय दिलाने का कार्य किया है तथा अपने हक व अधिकारों के लिए आवाज उठाना भी सिखाया है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पूर्ण सहमति के अनुसार अब वार्षिकोत्सव का कार्यक्रम 03 जनवरी कर दिया गया।

समाजसेवी अजीत सिंह की मेहनत रंग लाई

मढ़ी मठिया गांव में जिलाधिकारी व क्षेत्रीय विधायक ने लगाई जन चौपाल ,सुनी लोगों की समस्या

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय विकास खंड के डोभी ब्लॉक अंतर्गत मढ़ी मठिया गांव में जिलाधिकारी व क्षेत्रीय विधायक दिनेश चौधरी के नेतृत्व में विशाल जन चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमे डोभी ब्लॉक के लगभग सभी गांवों से आये हुए लोगो ने अपनी समस्याओं को जिलाधिकारी व क्षेत्रीय विधायक दिनेश चौधरी के समक्ष रखा। जिलाधिकारी ने ब्लॉक स्तर पर मौजूद सभी अधिकारियों निर्देश दिए कि जल्द से जल्द लोगों की सभी समस्याओं का निस्तारण कराया जाय। जिलाधिकारी ने बताया कि सभी बनवासी भाइयों के लिए आवासीय योजना का लाभ दिया जा रहा है । पूरे जनपद में एक भी बनवासी भाई आवासबिहीन नही रहेगा । आपको बता दे कि विगत 17 दिसम्बर को मढ़ी मठिया गांव में लगभग दो सौ बनवासी परिवार की जिंदगी बद से बदतर हालात में जीने को मजबूर थे जिसको लेकर समाजसेवी अजीत सिंह ने विशाल चौपाल लगाई जिसमे श्री अजीत सिंह चौपाल दौरान बोले कि अगर लोगो की समस्यायों का समाधान नही हुआ तो ब्लाक पर चौपाल लगाने को बाध्य होंगे जो मीडिया की सुर्खियां बनी । तत्पष्चात इस मामले को संज्ञान में लेते हुए विधायक श्री दिनेश चौधरी जी ने आज मढ़ी मठिया गांव में जन चौपाल लगाने को व लोगों की समस्यायों को सुनने को मजबूर हुए । जिसमे पात्र लोगो को आवास , शौचालय , पेंसन स्वास्थ्य वीमा कार्ड व गर्भवती महिलायों को पोशाहार वितरण किया गया । चौपाल में लगभग एक हजार लोग भाग लिए

रिटायर्ड दरोगा की हुई आकस्मिक मृत्यु

प्रखर पूर्वांचल देवरिया न्यूज। जनपद देवरिया के भलुअनी थाना क्षेत्र के ग्राम बगरौली निवासी दीनानाथ यादव पुत्र विरजन यादव 62वर्ष जो कि उत्तर प्रदेश पुलिस में एसआई पद से रिटायर हुए थे अचानक तबीयत खराब होने के कारण हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों ने उनको करीब 12.30 बजे तक मृत घोषित कर दिया शनिवार को सुबह उनके मृत शरीर को गांव लाई गई क्या परिजनों और गांव के लोगों ने मृत शरीर का दाह संस्कार बरहज के सरयू नदी के तट पर किया गया उनको मुखाग्नि उनके ही बेटे रोबिन सिंह यादव के द्वारा दिया गया गांव के कुछ स्मरांनत लोग राम भवन यादव सुमन यादव रविंद्र यादव सतपाल यादव अशोक यादव जोगिंदर यादव सत्यवान पासवान ग्राम प्रधान छठठू राजभर धर्मदेव यादव राधेश्याम यादव सुरेंद्र यादव धनंजय गोंड राहुल यादव सोनू यादव गौतम गुप्ता सोनू जायसवाल पर गांव के सभी लोग उपस्थित रहे।

ठंड से बचाव के लिए स्लम बस्ती में हुआ कम्बल वितरण

आशा वेलफेयर फाउंडेशन ने आयोजित किया वितरण समारोह

गर्म कम्बल पाकर खिले निर्धन महिलाओं के चेहरे

प्रखर लखनऊ। राजधानी सहित यूपी के कई जिलों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है इसी के साथ रात में ठंड का तापमान नीचे ही गिरता जा रहा है। ऐसे में निर्धन वर्ग को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है । राजधानी के महानगर क्षेत्र की स्लम बस्ती पंतनगर एवं इंद्रप्रस्थ नगर के निर्धन वर्ग के परिवारों में रविवार को शिव मंदिर प्रांगण में गर्म कम्बल का वितरण किया गया। इस स्लम बस्ती के निवासी घरों में काम,रेहड़ी दुकानदारी एवं मजदूरी करके अपना भरण पोषण करते है। वितरण का ये कार्यक्रम आशा वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से किया गया। संस्था के सदस्य नीरज जी के द्वारा कम्बलों का प्रबंध करवाया गया। इस दौरान बच्चो को बिस्किट एवं केले भी दिए गए। वितरण कार्यक्रम में आशा वेलफेयर फाउंडेशन के उपाध्यक्ष बृजेंद्र बहादुर मौर्य,संस्था की सचिव ज्योति मेहरोत्रा मीडिया प्रभारी अजंली पांडेय,युवा संगठन सचिव अभिषेक सिन्हा एवं सदस्य अनीता सिंह,पूजा सिंह,मीनाक्षी श्रीवास्तव विमला रावत एवं शीबा खान उपस्थित रहे। इस दौरान दी मदर्स लैप संस्था से मानसी प्रीत एवं मोहित सिंह सहित अमित सिंह चौहान, प्रतीक दुबे,शहनाज,शबनम,कासिम का विशेष सहयोग रहा।

विधायक व डीएम ने चौपाल से सुनी समस्याएं

प्रखर चंदवक ,जौनपुर। क्षेत्र पंचायत डोभी के ग्राम पंचायत मढ़ी में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत क्षेत्रीय विधायक दिनेश चौधरी व जिलाधिकारी दिनेश कुमार सिंह ने चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी व उनका निराकरण किया।चौपाल में पंचायती राज विभाग, राजस्व विभाग, समाज कल्याण विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, कृषि विभाग,जिला आपूर्ति विभाग सहित अन्य विभागों ने अपना–अपना स्टाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और उनके निराकरण का प्रयास किया। समाज कल्याण विभाग द्वारा विकलांग पेंशन, विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन के पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण किया गया वहीं राजस्व विभाग द्वारा ग्राम पंचायत में विरासत से वंचित लोगों का वरासत किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा पात्र व्यक्तियों को जिलाधिकारी के माध्यम से आयुष्मान कार्ड वितरित किया गया।पंचायत विभाग द्वारा आवास से वंचित पात्रों का पंजीकरण किया गया तो आपूर्ति विभाग द्वारा राशन कार्ड से वंचित पात्र लोगों को सूचीबद्ध किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि शादी अनुदान हेतु पात्र व्यक्ति समाज कल्याण विभाग में आवेदन प्रस्तुत करें। किसान सम्मान निधि से जो लोग भी वंचित हैं पंजीकरण कराकर के लाभ प्राप्त करें।जो लोग किसान सम्मान निधि विधि विरुद्ध प्राप्त कर रहे हैं उनसे वसूली करने के साथ ही उनके विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराया जाएगा। विधायक दिनेश चौधरी ने चौपाल में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जो लोग भी पात्र हैं चाहे किसान सम्मान निधि के , विधवा पेंशन के आवास के या अन्य योजनाओं के सभी लोग निर्धारित प्रारूप में संबंधित विभाग में आवेदन प्रस्तुत करें जो पात्र होंगे उनको निश्चित तौर पर लाभ दिया जाएगा।चौपाल में एसडीएम चंद्र प्रकाश पाठक ,उप कृषि निदेशक जयप्रकाश सहित जिला समाज कल्याण अधिकारी, पंचायत राज अधिकारी,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, बाल विकास परियोजना अधिकारी ,जिला कार्यक्रम अधिकारी ,मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित जिले व तहसील स्तर के अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। इसके अलावा प्रधान श्रीमती परमशीला यादव,प्रमुख प्रतिनिधि प्रवीण सिंह बबलू ,भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय पांडेय, जिला पंचायत सदस्य रमेश यादव, अजीत सिंह सहित अन्य लोग कार्यक्रम में मौजूद रहे।

भूमाफिया नैय्यर आलम पर पुलिस–प्रशासन की नकेल, दर्ज हुआ मुकदमा

प्रखर शाहगंज, जौनपुर। आतंक का पर्याय बन चुके भूमाफियाओं पर लगातार पुलिस–प्रशासन के अफसर शिकंजा कस रहे हैं। प्रसाशन ने थाने में तहरीर दिया कि ग्राम असरफपुर उसरहटा स्थित गाटा संख्या 261राजस्व अभिलेखों में चकमार्ग खाते में अंकित है जिसपर भूमाफिया नैय्यर आलम द्वारा तीन मंजिला पक्का मकान बनाकर अवैध कब्जा किया गया है उक्त अवैध कब्जे के सम्बंध में नैय्यर आलम उपरोक्त के विरुद्ध बेदखली का वाद तहसीलदार शाहगंज के न्ययालय में पहले ही दाखिल किया चुका है। किन्तु वर्तमान समय मे भी उसके द्वारा उसी चकमार्ग के शेष रकबे में अवैध कब्जा किये जाने का लगातार सिलसिला जारी है नैय्यर आलम द्वारा पेड़ लगाकर बाउंड्री वाल बनाकर अवैध कब्जा किया जा रहा है। असरफपुर, उसरहटा गांव में बेशकीमती जमीन को कूटरचित तरीके से नैय्यर आलम ने तीन मंजिला मकान बना कर कब्जा कर लिया है। यही तहरीर पर पुलिस ने सभी के नैय्यर आलम पर गुरूवार को मुकदमा दर्ज किया। कूटरचित तरीके से सरकारी संपत्ति को हथियाने एवं कागजों में हेरफेर करने वाला भूमाफिया शाहगंज थाने का नैय्यर आलम के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई की। गुरूवार को शाहगंज कोतवाली में भूमाफिया के खिलाफ जालसाजी समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया।

महाराष्ट्र के राज्यपाल ने जौनपुर के डा शैलेश दत्त को सम्मानित किया

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। कोरोना संक्रमण के दौरान बेहतर योगदान के लिए महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के हाथों सम्मानित होकर डा शैलेश दत्त सिंह ने जौनपुर का नाम रोशन किया है। मालूम हो कि जनसंघ के नेता रहे चन्दवक थाना क्षेत्र के भैंसा निवासी रुद्रदत्त सिंह वकील के चार बेटों में सबसे छोटे पुत्र डा शैलेश दत्त सिंह मुम्बई में चिकित्सा की पढ़ाई की।ईरान और दक्षिण अफ्रीका में चिकित्सा सेवाएं देने के बाद कोविड 19 संकट के समय वे स्वदेश आये।कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने अनवरत सेवाएं देकर अपनी कुशलता और ततपरता की मिशाल प्रस्तुत की।डा शैलेश द्वारा अपने कार्य के प्रति समर्पण देखकर घाटकोपर मुम्बई का आदर्श जनसेवा मंडल ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।मेडिकल एशोसिएशन मुंबई और दादर के विधायक मंगल प्रसाद लोढ़ा ने समारोह आयोजित कर कोरोना वैरियर्स की उपाधि से नवाजा। 27 दिसम्बर 2020 को जब महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने डा शैलेश दत्त सिंह को प्रशाति पत्र देकर सम्मानित किया तो यहाँ भैंसा गांव के लोग अपने सपूत की उपलब्धि पर झूम उठे।बता दे कि डा शैलेश के बड़े भाई दिग्विजय सिंह ने 2004 में अपनी बहन सुषमा राजीव सिंह को एक किडनी दानकर उन्हें जीवनदान दिया था।

रामसेवक यादव बने जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष

प्रखर पिंडरा वाराणसी। उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ भारतीय पद्वति का जिला अध्यक्ष रामसेवक यादव को प्रदेश अध्यक्ष रामाश्रय यादव द्वारा मनोनीत किये जाने पर ग्रामीणों व शिक्षकों में खुशी की लहर दिखी। पिंडरा विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय नवलपुर में तैनात व निहालापुर निवासी रामसेवक यादव के जिलाध्यक्ष मनोनीत होने पर खण्ड शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार सिंह समेत अनेक शिक्षकों और गणमान्य लोगों ने बधाई दी और कहाकि इनके जिलाध्यक्ष बनने से भारतीय शैली के कुश्ती और विकास करेंगी।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं